

प्रेषक,

शिवस्वरूप त्रिपाठी,  
अनु सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक 30 मार्च, 2017

**विषय:-** स्वास्तिक स्कूल ऑफ नर्सिंग, लोहिया हेड रोड, खटीमा उत्तराखण्ड की छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खटीमा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चकरपुर द्यूरी ऊधमसिंहनगर में अभ्यासिक प्रशिक्षण हेतु अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया आपके पत्र संख्या-3प/पैरा/विविध/1/2013/14807, दिनांक 15.07.2016 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा स्वास्तिक स्कूल ऑफ नर्सिंग, लोहिया हेड रोड, खटीमा उत्तराखण्ड की छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खटीमा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चकरपुर द्यूरी ऊधमसिंहनगर में अभ्यासिक प्रशिक्षण हेतु अनुमति प्रदान करने की शासकीय अनुमति चाही गयी है।

2. इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि स्वास्तिक स्कूल ऑफ नर्सिंग, लोहिया हेड रोड, खटीमा उत्तराखण्ड की छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खटीमा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चकरपुर द्यूरी ऊधमसिंहनगर में अभ्यासिक प्रशिक्षण की शासकीय अनुमति 01 वर्ष की अवधि के लिये हेतु निम्न प्रतिबन्धों के अधीन दी जाती है:

- (1) प्रशिक्षण सत्र से पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खटीमा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चकरपुर द्यूरी ऊधमसिंहनगर को सूचित किया जायेगा, ताकि उस दौरान उक्त चिकित्सालय द्वारा किसी अन्य संस्थाओं/कॉलेजों से प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्रदान न किया जा रहा हो।
- (2) प्रशिक्षण के दौरान सभी छात्र/छात्राये संस्थान के अन्दर संस्थान द्वारा लागू समस्त आंतरिक नियमों का पालन किया जायेगा एवं किसी भी प्रकार के क्षति हेतु क्षतिपूर्ति भी करेंगे।
- (3) शासनादेश संख्या-724/XXVIII-3-2010-98/2010, दिनांक 27.09.2010 के प्रस्तर 'य' में वर्णित आबद्धीकरण के नियमों का अनुपालन किया जाना होगा।
- (4) उक्त संस्थान को अभ्यासिक प्रशिक्षण हेतु राजकीय चिकित्सालय की शैय्याओं की संबद्धता इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान की जायेगी कि उस क्षेत्र में राजकीय संस्थाओं की स्थापना होने अथवा प्रश्नगत चिकित्सालयों में शैय्याओं की आवश्यकता होने पर शैय्याओं की सम्बद्धता 03 माह का पूर्व नोटिस देकर समाप्त कर दी जायेगी तथा इस मध्य अपना स्वयं का चिकित्सालय स्थापित करना होगा।

कमश: पृष्ठ-2

- (5) राजकीय चिकित्सालयों में उन्हीं संस्थाओं को प्रयोगात्मक प्रशिक्षण हेतु शैय्या उपलब्ध कराये जाने के संबंध में विचार किया जा सकेगा, जिनके द्वारा संबंधित प्रशिक्षण की 50 प्रतिशत सीटें उत्तराखण्ड शासन द्वारा भरे जाने, उत्तराखण्ड राज्य के निवासियों के लिये निर्धारित शुल्क का 10 प्रतिशत शुल्क प्रदान किये जाने एवं संस्था में कुछ पदों में नियुक्ति में उत्तराखण्ड राज्य के स्थाई निवासियों को योग्यता प्रदान किये जाने एवं श्रेणी-3 एवं 4 के पदों को शतप्रतिशत उत्तराखण्ड राज्य के स्थायी निवासियों से ही सेवायोजित किये जाने सम्बन्धी एम0ओ0यू0 चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से करना होगा।
- (6) सम्बन्धित चिकित्सालयों में संस्था के सम्बन्धित पाठ्यक्रम के प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण हेतु प्रति प्रशिक्षणार्थियों हेतु रू0 2000/- प्रतिमाह शुल्क संस्था द्वारा दिया जाना होगा, जिसे वार्षिक व्यय के रूप में सम्बन्धित चिकित्सालय के प्रबन्ध समिति अध्यक्ष के नाम बैंक ड्राफ्ट/चैक द्वारा प्रत्येक वर्ष वार्षिक प्रशिक्षण प्रारम्भ करने से पूर्व जमा कराना होगा। शैय्या सम्बन्धीकरण हेतु संस्था को चिकित्सालयों से सम्बन्धित पाठ्यक्रम की अवधि के लिये एम0ओ0यू0 करना अनिवार्य होगा।
- (7) संबंधी संस्था द्वारा सम्बद्धता हेतु प्रतिवर्ष उक्त शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन 01 वर्ष की अवधि के लिये एम0ओ0यू0 निष्पादित किया जाना होगा, जिसे विभाग द्वारा 03 माह का पूर्व नोटिस देकर कभी भी समाप्त किया जा सकेगा।

भवदीय,

(शिवस्वरूप त्रिपाठी)

अनु सचिव।

संख्या: 299 (1)/XXVIII-3-2017-55/2016, तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित:-

- (1) मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ऊधमसिंहनगर।
- (2) मुख्य चिकित्साधीक्षक, जिला चिकित्सालय, ऊधमसिंहनगर।
- (3) एन0आई0सी0/गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिवस्वरूप त्रिपाठी)

अनु सचिव।